नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

चीते ने पकड़ी रफ्तार, चुनौती फिर भी तैयार

चार साल में 53 हुए चीते, 37 शावक भारत में जन्मे, टेरिटरी के लिए कूनो छोटा, गांधीसागर तक बढ़ा दायरा

नवभारत न्यूज

श्योपुर/ग्वालियर, 19 सितंबर. कूनो में चीता प्रोजेक्ट के चार साल पूरे हो गए हैं. 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से आए आठ चीतों से शुरू हुआ सफर अब 53 तक पहुंच चुका है. इनमें 37 चीते भारत में जन्मे हैं. संख्या बढ़ना प्रोजेक्ट की बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसी बढ़ते कुनबे के साथ कुछ सवाल भी बड़े हुए हैं.

नवभारत विशेष

चीतों को पर्याप्त टेरिटरी देने के लिए कूनो का दायरा सीमित पड़ रहा है, इसलिए गांधीसागर तक प्रोजेक्ट का विस्तार करना पड़ा. वयस्क चीतों और शावकों की मौतों का सिलसिला पूरी तरह थमा नहीं है. शुरुआती वर्षों में ट्रैंक्विलाइजेशन के बार-बार इस्तेमाल पर विशेषज्ञों की चिंता भी सामने आई. ऐसे में चार साल बाद चुनौती सिर्फ संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि इस संख्या को स्वस्थ, सुरक्षित और स्थायी आबादी में बदलने की है.कूनो में फिलहाल 17 चीते खुले वन क्षेत्र में हैं. इनमें 10 नर और 7 मादा हैं. 36 चीते सॉफ्ट रिलीज बाड़ों में हैं, जिनमें पांच नर, आठ मादा और एक साल से कम उम्र के 23 शावक शामिल हैं. खुले जंगल में चीतों को छोड़ना प्रोजेक्ट के अगले चरण की शुरुआत है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त क्षेत्र, शिकार की उपलब्धता और दूसरे मांसाहारी वन्यजीवों से प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं.

80 का लक्ष्य, 27 चीतों की और जरूरत

अब कूनो में चीतों की संख्या 80 तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है. मौजूदा 53 चीतों से यह लक्ष्य 27 दूर है. इसके लिए नए शावकों का जन्म सबसे महत्वपूर्ण होगा. कूनो में कई मादाएं प्रजनन योग्य हैं और उनसे नई पीढ़ी की उम्मीद है. इनमें बोत्सवाना से लाई गई छह मादाएं भी शामिल हैं. चुनौती यह होगी कि पैदा होने वाली नई पीढ़ी प्राकृतिक परिस्थितियों में कितनी सुरक्षित रह पाती है.

कूनो से गांधीसागर तक क्यों बढ़ाना पड़ा दायरा?

चीतों को अपनी टेरिटरी और शिकार के लिए बड़े खुले वन क्षेत्र की जरूरत होती है. बढ़ती संख्या के साथ कूनो पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है. इसी कारण गांधीसागर को चीता संरक्षण के अगले क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है. भविष्य में प्रोजेक्ट को दूसरे उपयुक्त वन क्षेत्रों तक विस्तार देने की तैयारी भी इसी जरूरत से जुड़ी है.

साल दर साल बढ़ता जा रहा खर्च

चीता प्रोजेक्ट के शुरुआती पांच वर्षों के लिए करीब 39 करोड़ रुपए का अनुमानित बजट तय किया गया था. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने सीएसआर के तहत 50 करोड़ रुपए दिए. केंद्र ने कूनो को अंतरराष्ट्रीय इको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने के लिए अगले पांच वर्षों में एक हजार करोड़ रुपए निवेश की घोषणा की है. कूनो की वार्षिक परिचालन योजना के अनुसार 2023 में चीतों के प्रबंधन और पार्क के रखरखाव पर करीब 10.2 करोड़ रुपए खर्च हुए. 2024-25 में यह राशि करीब 14.4 करोड़ रुपए प्रस्तावित की गई. मध्य प्रदेश विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार पिछले तीन वर्षों में चीतों के भोजन और उन्हें तंदुरुस्त रखने पर 1.90 करोड़ रुपए खर्च हुए. अकेले 2024-25 में भोजन पर 1.27 करोड़ रुपए खर्च हुए, यानी औसतन करीब 35 हजार रुपए रोज.

नामीबिया के 8 में अब 3 ही जीवित

17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाए गए आठ चीतों में अब तीन ही जीवित हैं. उनकी भारत में जन्मी 22 संतानों को मिलाकर नामीबियाई मूल और उनकी संतानों की संख्या 25 है. इसके करीब छह महीने बाद 18 फरवरी 2023 को दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते लाए गए थे, जिनमें आठ अब जीवित हैं. प्रोजेक्ट के तीसरे वर्ष से चीतों को खुले वन क्षेत्र में छोड़ने की प्रक्रिया शुरू हुई. फिलहाल मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 12 जिलों में फैले संभावित क्षेत्र में कॉलर आईडी के जरिए निगरानी की जा रही है.

37 शावकों की सुरक्षा सबसे बड़ी परीक्षा

कूनो में अब तक 37 शावक भारत में जन्म ले चुके हैं. प्रजनन की सफलता को दिखाता है, लेकिन शावकों का जीवित रहना अगली चुनौती है. इसी साल जन्मे कुछ शावकों की कम समय में मौत ने एक बार फिर निगरानी और प्राकृतिक परिस्थितियों को लेकर सवाल खड़े किए. फील्ड टीम को चौबीसों घंटे निगरानी करनी पड़ रही है. यही मेहनत बढ़ते कुनबे के रूप में दिखाई दे रही है.

इनका कहना है...

कूनो प्रोजेक्ट शत प्रतिशत कामयाब रहा. हमने सफल चार साल पूरे किए हैं. इस मौके पर स्थानीय ग्रामीणों और चीता मित्रों के साथ विशेष सम्मेलनों का आयोजन किया गया जिसके जरिए जनसहभागिता को प्रमुखता दी गई है. स्थानीय ग्रामीण चीतों की सुरक्षा, उनकी निगरानी, वन्यजीव संरक्षण और मानव-वन्यजीव सहअस्तित्व जैसे विषयों में सक्रिय रूप से जुड़ रहे हैं.

उत्तम कुमार शर्मा, सीसीएफ, कूनो प्रोजेक्ट

कूनो चीता प्रोजेक्ट—चार साल, आंकड़ों में...

- 2022 : नामीबिया से 8 चीते आए
- 2023 : दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते आए
- अब कुल : 53 चीते
- भारत में जन्मे : 37 शावक
- खुले जंगल में : 17 चीते
- सॉफ्ट रिलीज बाड़ों में : 36
- बाड़ों में शावक : 23
- लक्ष्य : 80 चीते
- लक्ष्य से दूरी : 27 चीते
- 2023 प्रबंधन/रखरखाव खर्च : 10.2 करोड़ रुपए
- 2024-25 प्रस्तावित खर्च : 14.4 करोड़ रुपए
- 2024-25 भोजन खर्च : 1.27 करोड़ रुपए
- औसत दैनिक भोजन खर्च : करीब 35 हजार रुपए
- केंद्र की इको-टूरिज्म निवेश घोषणा : 1000 करोड़ रुपए
- IOC का CSR सहयोग : 50 करोड़ रुपए.

उपलब्धि बनाम चुनौती

- उपलब्धि: 53 चीते, 37 भारतीय जन्मे शावक और प्रजनन का लगातार बढ़ता क्रम.
- चुनौती बढ़ती आबादी के लिए पर्याप्त टेरिटरी, शिकार, स्वास्थ्य सुरक्षा और शावकों का सुरक्षित जीवित रहना.
- अगला पड़ाव :कूनो से गांधीसागर और आगे दूसरे उपयुक्त वन क्षेत्रों तक चीता संरक्षण का विस्तार.

मुख्यमंत्री ने चीता राधा को गांधीसागर पार्क में छोड़ा

- कूनो के बाद देश का दूसरा प्रमुख चीता आवास

नवभारत न्यूज

मंदसौर/गांधीसागर, 19 सितंबर . मध्यप्रदेश में चीता पुनर्स्थापन और संरक्षण परियोजना का रविवार को विस्तार हुआ. डॉ. मोहन यादव ने गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य के सॉफ्ट रिलीज बाड़े में कूनो राष्ट्रीय उद्यान से लाई गई मादा चीता को रिलीज किया. इस दौरान उसका नाम 'राधा' रखा गया.

गांधीसागर को कूनो के बाद देश के दूसरे प्रमुख चीता आवास के रूप में विकसित किया जा रहा है. चीतों के प्राकृतिक आवास व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है.

64 वर्ग किमी में आवास

गांधीसागर में चीतों के लिए करीब 64 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में संरक्षित आवास तैयार किया गया है. इसमें सॉफ्ट रिलीज बाड़े, निगरानी व्यवस्था और आवश्यक प्रबंधन सुविधाएं विकसित की गई हैं. वन्यजीव गाइडों को भी निगरानी के लिए प्रशिक्षण दिया गया है.

पर्यटन और रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

गांधीसागर में चीता परियोजना के विस्तार से वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है. चीतों की मौजूदगी से पर्यटकों की संख्या बढ़ने पर स्थानीय स्तर पर गाइड, होमस्टे, परिवहन आधारित सेवाओं के अवसर भी बढ़ सकते हैं.

एक नजर में

कस्टडी में हथकड़ी पहने बदमाशों की रील वायरल

जबलपुर . हथियारों के साथ स्टंट वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डर फैलाने के आरोप में गिरफ्तार दो आरोपियों का हथकड़ी पहने हुए वीडियो सामने आया है .गोहलपुर पुलिस ने दानिश अली और आसिफ पठान को गिरफ्तार किया था . आरोप है कि पुलिस अभिरक्षा के दौरान किसी ने दोनों का वीडियो बनाया और उसे रील के रूप में सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया .

अंतरजिला गिरोह के छह बदमाश गिरफ्तार

पन्ना . पुलिस ने सूने मकानों, निर्माणाधीन भवनों और शासकीय उचित मूल्य दुकानों को निशाना बनाने वाले अंतरजिला चोर गिरोह का खुलासा किया है . पुलिस ने सतना और रीवा से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है . पूछताछ में 10 चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ है . आरोपियों के कब्जे से करीब 16.82 लाख रुपए का मशरूका और वारदात में प्रयुक्त वाहन जब्त किए गए हैं .

हथकड़ी पहने बदमाशों की रील वायरल, उठे सवाल

- मेडिकल से कोर्ट और जेल तक बनाई रिकॉर्डिंग
- बैकग्राउंड म्यूजिक लगाकर सोशल मीडिया पर अपलोड

नवभारत न्यूज

जबलपुर, 20 सितंबर. हथियारों के साथ स्टंट वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डर फैलाने के आरोप में गिरफ्तार दो आरोपियों का हथकड़ी पहने हुए वीडियो सामने आया है.

गोहलपुर पुलिस ने दानिश अली और आसिफ पठान को गिरफ्तार किया था. आरोप है कि पुलिस अभिरक्षा के दौरान किसी साथी ने दोनों का वीडियो बनाया और उसे रील के रूप में सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया.

वीडियो में दोनों आरोपी मेडिकल परीक्षण से लेकर कोर्ट में पेशी और जेल ले जाने तक हथकड़ी पहने नजर आ रहे हैं. रिकॉर्डिंग के बाद उसमें पृष्ठभूमि संगीत जोड़कर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया. वीडियो में पुलिसकर्मी भी आरोपियों के साथ चलते दिखाई दे रहे हैं.

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अभिरक्षा के दौरान रिकॉर्डिंग किए जाने को लेकर सवाल उठे हैं. यह भी जांच का विषय है कि आरोपियों के साथ मौजूद किसी व्यक्ति ने बिना रोक-टोक वीडियो कैसे बनाया और बाद में उसे सोशल मीडिया पर कैसे अपलोड किया गया.

मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचने के बाद वीडियो बनाने और उसे प्रसारित करने वाले लोगों की पहचान की जा रही है. पुलिस अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर अपराध से जुड़े स्टंट और आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है.

आईजी के गनर से ई-बाइक के नाम पर ठगी

ग्वालियर . चंबल आईजी के गनर दीपक सिंह से इलेक्ट्रिक बाइक की बुकिंग के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है. सिटी सेंटर स्थित ई-व्हीकल शोरूम संचालक जितेंद्र पटेल पर आरक्षक से 1.20 लाख रुपए लेने और गाड़ी की डिलीवरी नहीं देने का आरोप है. भुगतान क्रेडिट कार्ड, फोन-पे और क्रेडिट ऐप के माध्यम से किया गया. शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच ने आरोपी संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

ग्वालियर में देश का पहला टेलीकॉम मेन्युफेक्चरिंग जोन

सिंधिया ने तैयारियों का लिया जायजा, जल्द होगा भूमिपूजन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर, 20 सितंबर . केंद्र की मोदी सरकार ने ग्वालियर शहर को देश की पहली टेलिकॉम मेन्युफेक्चरिंग ज़ोन की सौगात दी है, जल्द ही टेलीकॉम सेक्टर से जुड़ी देश-विदेश की नामी कंपनियां ग्वालियर में अपनी यूनिट लगायेंगी.

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज रविवार को ग्वालियर में बनने वाले इस टेलिकॉम मेन्युफेक्चरिंग ज़ोन की तैयारियों का जायजा लिया, इस दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने अधिकारियों से ज़ोन के बारे में विस्तार से जानकारी ली, यहाँ लगने वाली यूनिटों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली. इस मौके पर मंत्रीगण तुलसी सिलावट, नारायण सिंह कुशवाहा एवं साडा के चेयरमैन अशोक शर्मा भी मौजूद थे केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि जैसे ही कंपनियों को जमीन मिल जायेगी वैसे ही वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मिलकर इस टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन का भूमिपूजन करेंगे. उन्होंने कहा कि इससे 15,000 प्रत्यक्ष रोजगार मिलेंगे. इसके अलावा कई हजार अप्रत्यक्ष रोजगार भी यहाँ उपलब्ध होंगे.

हनीट्रैप में युवक से 20 लाख की ब्लैकमेलिंग

नवभारत न्यूज

जबलपुर. कोतवाली पुलिस ने हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग के मामले में एक महिला डांसर को होटल से रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार, महिला ने ग्वारीघाट निवासी युवक से पहले दोस्ती की और बाद में उसे झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर 20 लाख रुपए की मांग की.

बाद में सौदा 7 लाख रुपए में तय हुआ. पुलिस ने होटल में दबिश देकर महिला के पास से करीब 2.5 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं. पुलिस के मुताबिक आरोपी पूजा रैदास

मूलत: उमरिया की रहने वाली है और मदनमहल क्षेत्र में अलग रहकर होटल में डांसर का काम करती है. इसी दौरान उसकी पहचान युवक से हुई. दोनों के बीच संबंध बनने के बाद महिला ने युवक को कथित रूप से ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया. पैसे नहीं देने पर गंभीर धाराओं में झूठी एफआईआर कराने की धमकी दी गई. आरोप है कि महिला युवक के ग्वारीघाट स्थित घर भी पहुंची और वहां हंगामा किया.लगातार धमकियों से परेशान युवक ने कोतवाली थाने में शिकायत की. रविवार को दमोह नाका स्थित गोपाल सदन के पास होटल में रकम देने की डील तय हुई. पुलिस ने पहले से घेराबंदी कर रखी थी. युवक द्वारा रकम सौंपते ही टीम ने महिला को पकड़ लिया. तलाशी में बैग से करीब ढाई लाख रुपए मिले. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि महिला अकेले ही यह सब कर रही थी या उसके साथ कोई गिरोह भी जुड़ा है. होटल प्रबंधन की भूमिका की भी जांच की जा रही है.

व्यापारी को डिजिटल बंधक बनाकर ठगे 55 लाख

- वीडियो कॉल पर डराकर खाते से ट्रांसफर कराए रुपए
- पुलिस ने 15 लाख रुपए फ्रीज कराए

नवभारत न्यूज़

रतलाम, 20 सितंबर . शहर में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है. साइबर ठगों ने एटीएस और पुलिस अधिकारी बनकर एक व्यापारी को फर्जी आपराधिक मामले में फंसाने का डर दिखाया और उससे 55 लाख रुपए अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए. समय रहते परिजनों की सतर्कता से पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 15 लाख रुपए फ्रीज करा दिए, वहीं 20 लाख रुपए की अतिरिक्त ठगी होने से भी बचा लिया गया.

पुलिस के अनुसार पीड़ित कुवैत में मोटर पार्ट्स का कारोबार करता है और इन दिनों रतलाम आया हुआ था. ठगों ने उसे फोन कर खुद को महाराष्ट्र के कोलाबा का पुलिस इंस्पेक्टर बताया. इसके बाद वर्दी पहने वीडियो कॉल कर विश्वास में लिया और कहा कि उसके नाम से जारी मोबाइल नंबर का इस्तेमाल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के एजेंट से संपर्क में किया गया है. इसके बाद अलग-अलग नंबरों से वीडियो कॉल कर खुद को वरिष्ठ पुलिस और एटीएस अधिकारी बताते हुए पीड़ित से आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित निजी जानकारी मांगी गई. ठगों ने फर्जी एफआईआर, हथियारों से जुड़े दस्तावेज और सुप्रीम कोर्ट के लेटरहेड जैसे दिखने वाले कागजात भेजकर उसे कार्रवाई का डर दिखाया.

ठगों ने राशि के सत्यापन के नाम पर बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करने का दबाव बनाया. डर के कारण व्यापारी ने 55 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए. इस दौरान वह लगातार फोन और वीडियो कॉल के जरिए ठगों के संपर्क में रहा.परिजनों ने साइबर सेल से संपर्क किया. उस समय व्यापारी 20 लाख रुपए और ट्रांसफर करने की तैयारी में था. पुलिस ने काउंसलिंग कर उसे डिजिटल अरेस्ट का शिकार होने की जानकारी दी और अतिरिक्त ठगी रोक ली. एसपी अमित कुमार के निर्देश पर माणकचौक थाना प्रभारी विक्रम सिंह चौहान, साइबर सेल प्रभारी एसआई जीवन बारिया और टीम ने तकनीकी जांच शुरू की.

एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से कार्रवाई कर 15 लाख रुपए फ्रीज कराए गए. पुलिस ने मामले में ई-एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं. पुलिस ने लोगों से अपील की है कि डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी में घबराएं नहीं और तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें.

एकजुटता | लाल परेड ग्राउंड में 30 हजार स्वयंसेवकों ने संघ के 100 वर्ष पर दिया सामाजिक एकजुटता का संदेश

भारत संकटों से उबरकर आगे बढ़ने वाला समाज : होसबाले

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 20 सितंबर. राजधानी के लाल परेड ग्राउंड में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विशाल 'शाखा संगम' और स्वयंसेवक एकत्रीकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ.

आयोजन में भोपाल विभाग के अंतर्गत आने वाले 5 जिलों से करीब 30 हजार स्वयंसेवक और 5 हजार मातृशक्ति शामिल हुए. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एम्स भोपाल के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डॉ नरेंद्र कोतवाल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, मध्यभारत प्रांत संघचालक अशोक पांडेय और भोपाल विभाग संघचालक सोमकांत उमालकर मंच पर विराजमान रहे. कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल डॉ नरेंद्र ने राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक अर्थ बताते हुए कहा कि जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का अवसर पहुंचेगा और प्रत्येक नागरिक खुद को राष्ट्र निर्माण में सहभागी समझेगा

तब देश का विकास होगा. उन्होंने कहा कि देश पर जब भी कोई विपत्ति आती है, संघ के स्वयंसेवक बिना किसी जाति, भाषा, क्षेत्र या धर्म के भेद के सहायता के लिए तत्पर रहते हैं. इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विकास यात्रा पर महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया. दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि भारत की 5 हजार वर्षों की सभ्यता और यात्रा में यदि दुनिया को सबसे बड़ी बात देखने को मिलती है, तो वह यह है कि भारत हर संकट के बाद पुन: उठकर खड़ा हुआ है. उन्होंने एक श्लोक का संदर्भ देते हुए कहा कि गांव-गांव में शुभ और संस्कार देने वाली चर्चाएं होनी चाहिए. रामायण, महाभारत और संतों की वाणी से भावी पीढ़ी को अच्छे संस्कार मिलने चाहिए. सरकार्यवाह ने असम के अपर असम और शिवसागर क्षेत्र में आई बाढ़ का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां सेवा भारती के स्वयंसेवकों के साथ-साथ समाज के नौजवान, कॉलेज छात्र और विभिन्न वर्गों के लोग स्वत: स्फूर्त होकर राहत कार्यों में जुटे.

नई पीढ़ी सत्ता, समाज,संस्था से प्रश्न करे तो गलत नहीं

समाज सेवा न्यास द्वारा आयोजित संवाद में करीब 250 विद्यार्थी और प्राध्यापक शामिल हुए. कार्यक्रम में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि नई पीढ़ी का प्रश्न पूछना भारतीय परंपरा का हिस्सा है. युवाओं के प्रश्नों को सुनने, समझने और संवाद के माध्यम से उत्तर देने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि किसी युवा को उसके बाहरी स्वरूप या विचारों के आधार पर देखने के बजाय उसके भीतर की संवेदना और सकारात्मक शक्ति को समझना चाहिए. उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी सत्ता, समाज या किसी संस्था से प्रश्न करती है तो उसे गलत नहीं माना जाना चाहिए. उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि युवाओं के प्रश्नों को सुनना और संवाद में जुड़ना चाहिए.